पंजाब केसरी 07/10/2025

भाषण कला सीखना हर विद्यार्थी के लिए अत्यंत आवश्यक : डॉ. रोहित दत्त

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में आयोजित भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त। (चंदमोहन)

अम्बाला, 8 अक्तूबर (बलराम): छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज के अंग्रेजी, हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत विभाग एवं लैंग्वेज लैब के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति कौशल, भाषा प्रवीणता एवं सामाजिक-राष्ट्रीय मुद्दों पर संवेदनशील दृष्टिकोण का विकास करना था।

इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के सभी संकायों से विद्यार्थियों ने मंच पर अपनी वक्तत्व कला और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया।

सभी प्रतिभागियों ने समसामयिक एवं प्रेरक विषयों पर अपने प्रेरक भाषणों से दर्शकों और निर्णायकों को प्रभावित किया। निर्णायकों द्वारा मूल्यांकन के उपरांत परिणाम घोषित किए गए, जिसमें प्रथम स्थान उत्कर्ष, द्वितीय स्थान कर्ण,- तृतीय स्थान दशमीत और सांत्वना पुरस्कार मानसी व सिमरन ने प्राप्त किया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने सभी प्रतिभागियों का प्रोत्साहित करते हुए कहा कि भाषण कला वह विधा है जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने भावों एवं विचारों को अभिव्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि भाषण कला सीखना हर विद्यार्थी के लिए अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इसके द्वारा वह एक अच्छा वक्ता बनता है और अपने भाषण में अपने और श्रोताओं के बीच तालमेल बिठाने की कला सीखकर श्रोताओं तक अपनी बात को अच्छे तरीके से रख पाता है। उन्होंने इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक भाषा विभागों तथा लैंग्वेज लैब के इंचार्ज को बधाई देते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम करते रहने के लिए प्रेरित किया।

इस प्रतियोगिता में डॉ. ज्योति सौरोत ने मंच संचालन करते हुए विद्यार्थियों को भाषण कला की विभिन्न विशेषताओं से अवगत करवाया। इस प्रतियोगिता में डॉ. कमलेश कुमारी और डॉ. नीना ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। कायक्रम का समापन विजेताओं की घोषणा के साथ हुआ, जिन्हें उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उपलब्धि प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

प्रतियोगिता का सुचारू रूप से संचालन करने में हिन्दी विभाग से डॉ. रितु गुप्ता, अंग्रेजी विभाग से डॉ. ज्योति सौरोत, डॉ. अंशु चौधरी, डॉ. कमलेश, डॉ. अमित, डॉ. देसवाल, डॉ. अनीश एवं डॉ. नीना सहित अनेक प्राध्यापक उपस्थित रहे।

संस्कृत विभाग से प्रियंका, पंजाबी विभाग से राजविंदर कौर, तथा लैंग्वेज लैब से महक तलवार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।